

Secretarial Practice

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: Steps In Incorporation of A Company

The incorporation of a company refers to the legal process that is used to form a corporate entity or a company. An incorporated company is a separate legal entity on its own, recognized by the law. These corporations can be identified with terms like 'Inc' or 'Limited' in their names. It becomes a corporate legal entity completely separate from its owners.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: एक कंपनी के निगमन में कदम

एक कंपनी का निगमन कानूनी प्रक्रिया को संदर्भित करता है जिसका उपयोग कॉर्पोरेट इकाई या कंपनी बनाने के लिए किया जाता है। एक निगमित कंपनी अपने आप में एक अलग कानूनी इकाई है, जिसे कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है। इन निगमों की पहचान उनके नाम में 'Incorporations Inc' या 'Incorporated Limited' जैसे शब्दों से की जा सकती है। यह अपने मालिकों से पूरी तरह से अलग एक कॉर्पोरेट कानूनी इकाई बन जाता है।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: कंपनीच्या गुंतवणूकीच्या चरण

कंपनीचा समावेश हा कायदेशीर प्रक्रियेचा संदर्भ असतो जो कॉर्पोरेट अस्तित्व किंवा कंपनी तयार करण्यासाठी वापरला जातो. अंतर्भूत कंपनी ही स्वतः स्वतंत्र स्वतंत्र कायदेशीर संस्था आहे जी कायद्याद्वारे मान्यता प्राप्त आहे. या कॉर्पोरेशनना त्यांच्या नावावर 'इंक' किंवा 'लिमिटेड' सारख्या अटीद्वारे ओळखले जाऊ शकते. हे एक कॉर्पोरेट कायदेशीर संस्था बनली आहे जी त्याच्या मालकांपासून पूर्णपणे वेगळी आहे.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: Steps in Incorporation of a Company

A group of seven or more people can come together so as to form a public company whereas, only two are needed to form a private company. The following steps are involved in the incorporation of a company.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: एक कंपनी के निगमन में कदम

एक सार्वजनिक कंपनी बनाने के लिए सात या अधिक लोगों का समूह एक साथ आ सकता है जबकि, एक निजी कंपनी बनाने के लिए केवल दो की आवश्यकता होती है। कंपनी के निगमन में निम्नलिखित चरण शामिल हैं।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: कंपनीच्या गुंतवणूकीच्या चरण

सात किंवा त्याहून अधिक लोकांचा समूह सार्वजनिक कंपनी तयार करण्यासाठी एकत्र येऊ शकतो, तर खासगी कंपनी तयार करण्यासाठी केवळ दोनच लोकांची आवश्यकता असते. कंपनीच्या गुंतवणूकीत पुढील चरणांचा समावेश आहे.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 1. Ascertaining Availability of Name

The first step in the incorporation of any company is to choose an appropriate name. A company is identified through the name it registers. The name of the company is stated in the memorandum of association of the company. The company's name must end with 'Limited' if it's a public company and 'Private Limited' if its a private company.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 1. नाम की उपलब्धता का पता लगाना

किसी भी कंपनी के निगमन में पहला कदम एक उपयुक्त नाम चुनना है। एक कंपनी की पहचान उस नाम के माध्यम से की जाती है जिसे वह पंजीकृत करता है। कंपनी के संघ के ज्ञापन में कंपनी का नाम बताया गया है। कंपनी का नाम 'लिमिटेड' के साथ समाप्त होना चाहिए, यदि वह एक सार्वजनिक कंपनी है और 'प्राइवेट लिमिटेड' यदि उसकी निजी कंपनी है।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: नावाची उपलब्धता तपासणे

कोणत्याही कंपनीच्या गुंतवणूकीची पहिली पायरी म्हणजे योग्य नाव निवडणे. कंपनी नोंदणी करतो त्या नावाने ती ओळखली जाते. कंपनीचे नाव कंपनीच्या संघटनेच्या निवेदनात नमूद केले आहे. कंपनीची नावे सार्वजनिक कंपनी असल्यास ती 'लिमिटेड' आणि खासगी कंपनी असल्यास 'प्रायव्हेट लिमिटेड' असावी.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: To check whether the chosen name is available for adoption, the promoters have to write an application to the Registrar of Companies of the State. A 500 rupee is paid with the application. The Registrar then allows the company to adopt the name given they fulfill all legal documentation formalities within a period of three months.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: यह जांचने के लिए कि क्या चुने गए नाम को अपनाने के लिए उपलब्ध है, प्रमोटरों को राज्य के रजिस्ट्रार की कंपनियों को एक आवेदन लिखना होगा। आवेदन के साथ 500 रुपये का भुगतान किया जाता है। रजिस्ट्रार फिर कंपनी को दिए गए नाम को अपनाने की अनुमति देता है, जिसे वे तीन महीने की अवधि के भीतर सभी कानूनी दस्तावेज औपचारिकताओं को पूरा करते हैं।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: निवडलेले नाव दत्तक घेण्यासाठी उपलब्ध आहे की नाही हे तपासण्यासाठी, प्रवर्तकांना राज्याच्या कंपनीच्या रजिस्ट्रारकडे अर्ज लिहावा लागेल. अर्जासह 500 रुपये दिले जातात. त्यानंतर रजिस्ट्रार तीन महिन्यांच्या कालावधीत कंपनीला सर्व कायदेशीर कागदपत्रांची औपचारिकता पूर्ण केल्यास हे नाव स्वीकारण्याची परवानगी देते.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 2. Preparation of Memorandum of Association and Articles of Association

The memorandum of association of a company can be referred to as its constitution or rulebook. The memorandum states the field in which the company will do business, objectives of the company, as well as the type of business the company plans to undertake. It is further divided into five clauses

Name Clause

Registered Office Clause

Objects Clause

Liability Clause

Capital Clause

Articles of Association is basically a document that states rules which the internal management of the company will follow. The article creates a contract between the company and its members. The article

mentions the rights, duties, and liabilities of the members. It is equally binding on all the members of the company.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 2. एसोसिएशन के ज्ञापन और लेख की तैयारी

एक कंपनी के सहयोग के ज्ञापन को उसके संविधान या नियम पुस्तिका के रूप में संदर्भित किया जा सकता है। ज्ञापन में कहा गया है कि कंपनी किस क्षेत्र में कारोबार करेगी, कंपनी के उद्देश्य और साथ ही कंपनी किस प्रकार के व्यवसाय शुरू करेगी। इसे आगे पांच खंडों में विभाजित किया गया है

नाम खंड

पंजीकृत कार्यालय खंड

वस्तु खंड

देयता खंड

पूंजी खंड

एसोसिएशन के लेख मूल रूप से एक दस्तावेज है जो उन नियमों को बताता है जो कंपनी के आंतरिक प्रबंधन का पालन करेंगे। लेख कंपनी और उसके सदस्यों के बीच एक अनुबंध बनाता है। लेख में सदस्यों के अधिकारों, कर्तव्यों और दायित्वों का उल्लेख किया गया है। यह कंपनी के सभी सदस्यों के लिए समान रूप से बाध्यकारी है।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: २. असोसिएशनचे लेख व असोसिएशनचे लेख तयार करणे

एखाद्या कंपनीच्या मेमोरँडम ऑफ असोसिएशनचा संदर्भ त्याच्या घटना किंवा नियम पुस्तिका म्हणून दिला जाऊ शकतो. या निवेदनात कंपनी ज्या क्षेत्रामध्ये व्यवसाय करेल त्याचे क्षेत्र, कंपनीची उद्दीष्टे तसेच कंपनी कोणत्या प्रकारचा व्यवसाय करणार आहे हे नमूद करते. हे पुढील पाच खंडांमध्ये विभागले गेले आहे

नाव खंड

नोंदणीकृत कार्यालय खंड

ऑब्जेक्ट क्लॉज

उत्तरदायित्व खंड

कॅपिटल कलम

आर्टिकल्स ऑफ असोसिएशन मुळात एक दस्तऐवज असतो ज्यात कंपनीच्या अंतर्गत व्यवस्थापनाचे नियमन असे म्हटले जाते. लेख कंपनी आणि त्याचे सदस्य यांच्यात करार तयार करतो. लेखात सदस्यांच्या हक्क, कर्तव्ये आणि जबाबदाऱ्यांचा उल्लेख आहे. कंपनीच्या सर्व सदस्यांवर ते तितकेच बंधनकारक आहे.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 3. Printing, Signing and Stamping, Vetting of Memorandum and Articles

The Registrar of Companies often helps promoters to draw up and draft the memorandum and articles of association. Above all, with promoters who have no previous experience in drafting the memorandum and articles.

Once these have been vetted by the Registrar of Companies, then the memorandum of association and articles of association can be printed. The memorandum and articles are consequently divided into paragraphs and arranged chronologically.

The articles have to be individually signed by each subscriber or their representative in the presence of a witness, otherwise, it will not be valid.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 3. प्रिंटिंग, हस्ताक्षर और मुद्रांकन, मेमोरेंडम और लेखों की वेटिंग

कंपनियों के रजिस्ट्रार अक्सर प्रमोटर्स को ज्ञापन और एसोसिएशन के लेखों को तैयार करने और मसौदा तैयार करने में मदद करते हैं। सबसे ऊपर, प्रमोटर्स के साथ, जिन्हें ज्ञापन और लेखों का मसौदा तैयार करने में कोई पिछला अनुभव नहीं है।

एक बार जब इन्हें रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज द्वारा वीटो कर दिया जाता है, तो एसोसिएशन और एसोसिएशन के लेखों के ज्ञापन को मुद्रित किया जा सकता है। ज्ञापन और लेखों को फलस्वरूप पैराग्राफ में विभाजित किया जाता है और कालानुक्रमिक रूप से व्यवस्थित किया जाता है।

प्रत्येक ग्राहक या उनके प्रतिनिधि द्वारा गवाह की उपस्थिति में लेख को व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित करना होगा, अन्यथा, यह मान्य नहीं होगा।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: मुद्रण, स्वाक्षरी व मुद्रांकन, निवेदन व लेखों के अभिप्राय

रजिस्ट्रार ऑफ कंपनी अनेकदा प्रमोटर्सला मेमोरेंडम आणि असोसिएशनचे लेख काढण्यास आणि मसुदा करण्यास मदत करतात. सर्वात महत्वाचे म्हणजे, प्रमोटर्ससह ज्यांना ज्ञापन आणि लेखांचे मसुदा तयार करण्याचा पूर्वीचा अनुभव नाही.

एकदा कंपनीच्या रजिस्ट्रारद्वारे याची तपासणी केली गेली की मग संघटनेचे निवेदन व असोसिएशनचे लेख छापले जाऊ शकतात. निवेदन आणि लेख परिणामी परिच्छेदात विभागले जातात आणि कालक्रमानुसार व्यवस्था केली जातात.

या लेखात साक्षीदारांच्या उपस्थितीत प्रत्येक ग्राहकांनी किंवा त्यांच्या प्रतिनिधीने स्वतंत्रपणे स्वाक्षरी केली पाहिजे, अन्यथा ते वैध ठरणार नाहीत.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 4. Power of Attorney

To fulfill the legal and complex documentation formalities of incorporation of a company, the promoter may then employ an attorney who will have the authority to act on behalf of the company and its promoters. The attorney will have the authority to make changes in the memorandum and articles and moreover, other documents that have been filed with the registrar.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 4. अटॉर्नी की शक्ति

किसी कंपनी को शामिल करने के कानूनी और जटिल प्रलेखन औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए, प्रमोटर तब एक वकील को नियुक्त कर सकता है, जिसके पास कंपनी और उसके प्रमोटरों की ओर से कार्य करने का अधिकार होगा। अटॉर्नी के पास ज्ञापन और लेखों में बदलाव करने का अधिकार होगा और इसके अलावा, अन्य दस्तावेज जो रजिस्ट्रार के पास दायर किए गए हैं।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 4. मुखत्यार पॉवर

एखाद्या कंपनीच्या गुंतवणूकीची कायदेशीर आणि जटिल कागदपत्रे औपचारिकता पूर्ण करण्यासाठी, प्रवर्तक नंतर एखादा मुखत्यार नियुक्त करू शकेल ज्यास कंपनी आणि त्याच्या प्रवर्तकांच्या वतीने कार्य करण्याचा अधिकार असेल. मुखत्यारकडे निवेदन व लेख आणि त्याशिवाय रजिस्ट्रारकडे दाखल केलेल्या इतर कागदपत्रांमध्ये बदल करण्याचे अधिकार असतील.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 5. Other Documents to be Filed with the Registrar of Companies

The First – e-Form No.32 – Consent of directors

The Second – e-Form No.18 – Notice of Registered Address

The Third – e-Form No.32. – Particulars of Directors

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 5. कंपनियों के रजिस्ट्रार के साथ दायर किए जाने वाले अन्य दस्तावेज

पहला - ई-फॉर्म नंबर 3 - निर्देशकों की सहमति

दूसरा - ई-फॉर्म नंबर 1 - पंजीकृत पते की सूचना

तीसरा - ई-फॉर्म नंबर 31 - निर्देशकों का विवरण

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: Companies. कंपनीच्या रजिस्ट्रारकडे इतर कागदपत्रे दाखल करा

प्रथम - ई-फॉर्म क्र .32 - संचालकांची संमती

दुसरा - ई-फॉर्म क्र .१ - - नोंदणीकृत पत्त्याची सूचना

तिसरा - ई-फॉर्म क्रमांक .32 - संचालकांचे तपशील

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 6. Statutory Declaration in e-Form No.1

This declaration, furthermore states that 'All the requirements of the Companies Act and the rules thereunder have been complied with respect of and matters precedent and incidental thereto.'

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 6. ई-फॉर्म नंबर 1 में वैधानिक घोषणा

यह घोषणा, आगे बताती है कि and कंपनी अधिनियम की सभी आवश्यकताओं और इसके नियमों को पूर्ववर्ती और आकस्मिक उपचार के संबंध में संकलित किया गया है। '

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: E. ई-फॉर्म नंबर १ मधील वैधानिक घोषणा

या घोषणेमध्ये पुढे असेही म्हटले आहे की, 'कंपनी अॅक्टच्या सर्व आवश्यकता आणि त्यातील नियमांची पूर्ती व त्या आधीच्या घटनांच्या संदर्भात संकलन केले गेले आहे.'

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 7. Payment of Registration Fees

A prescribed fee is to be paid to the Registrar of Companies during the course of incorporation. It depends on the nominal capital of the companies which also have share capital.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 7. पंजीकरण शुल्क का भुगतान

निगमन के दौरान कंपनियों के रजिस्ट्रार को एक निर्धारित शुल्क का भुगतान किया जाता है। यह उन कंपनियों की नाममात्र पूंजी पर निर्भर करता है जिनके पास शेयर पूंजी भी है।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 7 नोंदणी फी भरणे

कंपनीच्या निबंधकांना विहित फी भरली जाते. ज्या कंपन्यांचे भागभांडवल आहे अशा कंपन्यांच्या नाममात्र भांडवलावर अवलंबून असते.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 8. Certificate of Incorporation

If the Registrar is completely satisfied that all requirements have been fulfilled by the company that is being incorporated, then he will register the company and issue a certificate of incorporation. As a result, the incorporation certificate provided by the Registrar is definite proof that all requirements of the Act have been met.

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 8. निगमन का प्रमाण पत्र

यदि रजिस्ट्रार पूरी तरह से संतुष्ट है कि जिस कंपनी को शामिल किया जा रहा है, उसके द्वारा सभी आवश्यकताओं को पूरा किया गया है, तो वह कंपनी को पंजीकृत करेगा और निगमन का प्रमाण पत्र जारी करेगा। नतीजतन, रजिस्ट्रार द्वारा प्रदान किया गया निगमन प्रमाण पत्र निश्चित प्रमाण है कि अधिनियम की सभी आवश्यकताओं को पूरा किया गया है।

[8:12 am, 13/01/2022] Dr kg Meshram: 8 सहकार्यांचे प्रमाणपत्र

जर निबंधक पूर्णपणे समाधानी असेल जे कंपनीने समाविष्ट केले जात आहे त्या कंपनीने सर्व आवश्यकता पूर्ण केल्या आहेत, तर तो कंपनीची नोंदणी करेल आणि त्यास कंपनीचे प्रमाणपत्र देईल. परिणामी, निबंधकाद्वारे प्रदान केलेला निगमन प्रमाणपत्र कायद्याचा सर्व गरजा पूर्ण केल्याचा निश्चित पुरावा आहे.

=====kg=====